No. of Printed Pages : 4 **BPY-005**

00824

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-005 : INDIAN PHILOSOPHY PART-II

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all five questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question no. 1 and 2 should be in about **400** words each.*

---

1. Examine epistemology of the Nyaya School of thought. 20

OR

Discuss the origin and development of Bhakti Movement. 20

2. Explain the metaphysical categories and means to liberation according to Advaita philosophy. 20

OR

Examine the important tenets in the philosophy of Gandhi and Tagore. 20

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each.

(a) Examine the salient features of Arya Samaj as a nationalistic reform movement. 10

(b) Briefly explain the concept of Prakrti in Samkhya Philosophy. 10

(c) Give an account of the different schools of Saivism. 10

(d) Explain the Social Philosophy of Ambedkar. 10

4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Briefly discuss the modifications of Citta in Yoga philosophy. 5

(b) What are the important pramanas accepted by the Bhatta School of Mimamsa ? 5

(c) Briefly explain the fundamental rights assured in the Indian Constitution. 5

(d) Describe the Concept of Universal Religion in the philosophy of Swami Vivekananda. 5

(e) What is liberation according to Visistadvaita ? 5

(f) Briefly examine the contributions of Ram Mohan Roy to Indian Renaissance. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :

(a) Abhava or non-existence in Vaisesika 4

(b) Samprajnat or Conscious Samadhi 4

(c) Jnana Lakshana 4

(d) Vedanta Sutras 4

(e) Female bhaktas 4

(f) ISKCON Movement 4

(g) Metaphysics in the philosophy of S. Radhakrishnan 4

(h) Ramana Ashram 4

बी.पी.वाई.-005

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2018
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-005 : भारतीय दर्शन भाग-II

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (i) ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।*

1. न्याय दर्शन की ज्ञानमीमांसा की परीक्षा कीजिए। 20

अथवा

भक्ति आन्दोलन के उद्भव एवं विकास पर चर्चा करें। 20

2. अद्वैत वेदांत के अनुसार तत्वमीमांसीय पदार्थों और मुक्ति के साधनों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

गांधी एवं टैगोर के दर्शन की मुख्य विशेषताओं की परीक्षा कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

(a) एक राष्ट्रीय सुधार आन्दोलन के रूप में आर्य समाज की मुख्य विशेषताओं की परीक्षा कीजिए। 10

(b) सांख्य दर्शन में प्रकृति के सम्प्रत्यय की संक्षेप में व्याख्या करें। 10

(c) शैव दर्शन के विभिन्न सम्प्रदायों का विवरण दें। 10

(d) अम्बेडकर के सामाजिक दर्शन की व्याख्या करें। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(a) योग दर्शन में चित्त की वृत्ति पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

(b) भाट्ट मीमांसा द्वारा कौन से प्रमाण स्वीकार किये जाते हैं? 5

(c) भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मूल अधिकारों की संक्षिप्त व्याख्या करें। 5

(d) स्वामी विवेकानन्द के दर्शन में सार्वभौमिक धर्म के प्रत्यय पर चर्चा करें। 5

(e) विशिष्टाद्वैत के अनुसार मोक्ष क्या है? 5

(f) भारतीय पुनर्जागरण में राजा राम मोहन राय के योगदानों का संक्षेप में वर्णन करें। 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के प्रत्येक पर लगभग 100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) वैशेषिक दर्शन में अभाव 4

(b) सम्प्रज्ञात समाधि 4

(c) ज्ञान लक्षण 4

(d) वेदान्त सुत्र 4

(e) स्त्री भक्त 4

(f) इसकान (ISKCON) आन्दोलन 4

(g) एस. राधाकृष्णन के दर्शन में तत्वमीमांसा 4

(h) रमण आश्रम 4